

---

shrIDattatreya Stotra 2

श्रीदत्तात्रेयस्तोत्रं २

Document Information



---

Text title : dattastotra2

File name : dattastotra2.itx

Category : deities\_misc, dattAtreya, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com>,

Proofread by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com>,

Latest update : April 25, 2010

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदत्तात्रेयस्तोत्रं २



॥ ॐ ॥

दत्तात्रेयं प्रियदैवतं सर्वात्मकं विश्वंभरम् ।  
करुणार्णवं विपदाहरं चिन्मयं प्रणमाम्यहम् ॥ १ ॥

बालरूपं हास्यवदनं शंखचक्रयुतं प्रभुम् ।  
धेनुसहितं त्रिशुलपाणिं चिन्मयं प्रणमाम्यहम् ॥ २ ॥

षड्भुजं स्तवनप्रियं त्रिगुणात्मकं भवतारकम् ।  
शिवकारकं सुरवंदितं चिन्मयं प्रणमाम्यहम् ॥ ३ ॥

प्रणवगायनतोषितं प्रणवपद्मैः पूजितम् ।  
प्रणवात्मकं परमेश्वरं चिन्मयं प्रणमाम्यहम् ॥ ४ ॥

कोटिभास्करसदृशं तेजस्विनं तेजोमयम् ।  
सद्गुरुं गुरूणां गुरुं चिन्मयं प्रणमाम्यहम् ॥ ५ ॥

विश्वनाटकचालकं ज्ञानगम्यं निर्गुणम् ।  
भक्तकारणसंभूतं चिन्मयं प्रणमाम्यहम् ॥ ६ ॥

बालयोगिध्यानमग्नं त्रिविधतापनिवारकम् ।  
दीननाथं सिद्धिदं चिन्मयं प्रणमाम्यहम् ॥ ७ ॥


जनकजननीबंधुसुहृदाः आप्तसर्वास्त्वं मम ।  
एहि एहि स्मर्तृगामिन् चिन्मय प्रकटी भव ॥ ८ ॥

Encoded and proofread by


Dinkar Deshpande dinkar.deshpande@gmail.com

Sunder Hattangadi

---

——  
*shrIDattatreya Stotra 2*

pdf was typeset on December 22, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

